सीएसआईआर-सीरी में विश्व हिन्दी दिवस 2019

एक-दिवसीय प्रशासनिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में 10 जनवरी, 2019 को विश्व हिन्दी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के स्थानापन्न निदेशक डॉ जमील अख्तर, मुख्य वैज्ञानिक ने संस्थान के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में डॉ प्रमोद कुमार खन्ना, मुख्य वैज्ञानिक सहित संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अन्य सदस्य, वैज्ञानिक एवं अन्य सहकर्मी उपस्थित थे।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए स्थानापन्न निदेशक डॉ जमील अख्तर

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ जमील अख़्तर ने सभी सहकर्मियों को विश्व हिन्दी दिवस की बधाई दी। उपस्थित सहकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने इस आयोजन की प्रासंगिकता व महत्व की चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से सभी सहकर्मियों में न केवल भाषा के प्रति अपने दायित्व का अहसास होता है अपितु उसके प्रति सम्मान की भावना भी बढ़ती है। उन्होंने हिन्दी के बढ़ते प्रभाव की चर्चा करते हुए कहा कि सरकारी व गैर-सरकारी प्रयासों के बल पर विश्व में हिन्दीकी स्वीकार्यता बढ़ी है। उन्होंने इसके लिए विदेशों में रह रहे भारतवंशियों के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने संस्थान में 'स्पीच टु टेक्स्ट' संबंधी शोध कार्य को रेखांकित करते हुए वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि हमें इस दिशा में अपने शोध कार्यों को आगे बढ़ाना होगा ताकि जनमानस उससे अधिक लाभान्वित हो सके। अंत में उन्होंने कार्यशाला के आयोजन की प्रशंसा करते हुए उसकी सफलता की कामना की और सभी सहकर्मियों को पुन: विश्व हिन्दी दिवस की बधाई दी।

इस अवसर पर सहकर्मियों को संबोधित करते हुए संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं मुख्य वैज्ञानिक **डॉ पी के खन्ना** ने भी सभी को विश्व हिन्दी दिवस की बधाई दी और इस उपलक्ष्य में संस्थान में आयोजित की जा रही एक दिवसीय प्रशासनिक हिन्दी कार्यशाला के आयोजन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में उन्होंने कार्यशाला के आयोजन, विषयों के चयन आदि के लिए राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन महत्वपूर्ण व उपयोगी विषयों पर दिए जाने वाले व्याख्यानों से सभी प्रतिभागी लाभान्वित होंगे।

कार्यशाला की रूपरेखा की जानकारी देते हुए मुख्य वैज्ञानिक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य डॉ प्रमोद कुमार खन्ना

उद्घाटन सत्र में उपस्थित वैज्ञानिक एवं सहकर्मी

कार्यक्रम का संचालन हिन्दी अधिकारी **श्री रमेश बौरा** ने किया। उन्होंने सहकर्मियों को विश्व हिन्दी दिवस और हिन्दीदिवस का अंतर स्पष्ट करते हुए दोनों अवसरों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विश्व हिन्दी दिवस मनाने की शुरुआत 10 जनवरी, 2006 से तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिह ने की जबकि विश्व हिन्दी सम्मेलन वर्ष 1975 से आयोजित किए जा रहे हैं तथा अब तक 11 सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं।

विश्व हिन्दीदिवस कार्यक्रम एवं प्रशासनिक हिन्दी कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, हिन्दी अधिकारी

संचालन के दौरान श्री रमेश बौरा ने बताया देश-विदेश में हिन्दी प्रेमी भी अपने-अपने स्तर पर हिन्दीको अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। इस कार्य में उन प्रवासी भारतीयों का भी बहुत योगदान है जो वर्षों पूर्व काम-काज के लिए मलयेशिया, मॉरिशस, कंबोडिया, थाइलैंड, सूडान, जमैका, त्रिनिदाद-टोबैगो के अलावा दक्षिण अफ्रीकी देशों में गए और वहीं बस गए। उन्होंने अपने परिश्रम से वहाँ स्वयं को स्थापित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र ध्वज, राष्ट्र गान व राष्ट्र भाषा प्रत्येक नागरिक के लिए अत्यंत सम्मान का विषय होते हैं तथा हमारा दायित्व है कि हम प्रत्येक स्थिति में इस बात का ध्यान रखें।

उपस्थित सहकर्मियों के समक्ष प्रधानमंत्री का संदेश पढ़ते हुए
श्री महेन्द्र सिह, अनुभाग अधिकारी

इससे पूर्व उद्घाटन सत्र में **श्री महेन्द्र सिह**, अनुभाग अधिकारी(सामान्य) ने सभी सहकर्मियों के समक्ष विश्व हिन्दीदिवस के लिए **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संदेश** पढ़ा। अंत में उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इस कार्यक्रम को मूर्तरूप देने और मार्गदर्शन के लिए निदेशक, सीएसआईआर-सीरी को तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी सहकर्मियों को धन्यवाद दिया।

एक दिवसीय प्रशासनिक हिन्दीकार्यशाला का आयोजन

विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में पूर्ण दिवसीय प्रशासनिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। कार्यशाला में कार्यशाला के दौरान दिए गए व्याख्यानों/ प्रस्तुतीकरणों का विवरण निम्नवत है –

सत्र 1.

(1) राजभाषा तिमाही प्रगति रिपोर्ट

(2) संस्थान की राजभाषा प्रोत्साहन योजनाएँ

वक्ता - श्री रमेश बौरा, हिन्दी अधिकारी

(3) पेन्शन तथा सेवानिवृत्ति लाभ

वक्ता - श्री राजेश पारीक, वित्त एवं लेखा नियंत्रक

सत्र 2.

(1) अवकाश नियम

वक्ता - श्री महेन्द्र सिह, अनुभाग अधिकारी

(2) फोनेटिक एवं वॉयस टाइपिग

वक्ता - श्री रमेश बौरा, हिन्दी अधिकारी

सत्र 3.

(1) सामान्य प्रशासनिक दिशानिर्देश (टीए, एलटीसी, बिल, आरटीआई)

वक्ता – श्री पंकज गोस्वामी, अनुभाग अधिकारी

(2) GeM के माध्यम से क्रय – प्रक्रिया व महत्वपूर्ण बिदु

वक्ता - डॉ अनिल सैनी, वैज्ञानिक

प्रस्तुतीकरण देते हुए वक्ता – श्री रमेश बौरा, श्री महेन्द्र सिह, श्री राजेश कुमार पारीक, श्री पंकज गोस्वामी तथा डॉ अनिल सैनी

कार्यशाला में तकनीकी सत्र का दृश्य

प्रत्येक सत्र में वक्ताओं ने विषय को विस्तार से समझाने का प्रयास किया और प्रतिभागियों ने वक्ताओं से प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा शांत की। प्रतिभागियों ने कार्यशाला के विषयों के चयन के लिए आयोजक मंडल की सराहना की और कहा कि सहकर्मियों के लाभार्थ इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएँ।

समापन सत्र में आयोजन के संयोजक श्री रमेश बौरा, हिन्दी अधिकारी ने सभी वक्ताओं व कार्यशाला के प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अनुमोदन से इस प्रकार के आयोजन किए जाएँगे।